Export of Steel

1809. SHRI P. GANGADEB :
SHRI NIHAR LASKAR :

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether Government have decided not to allow any export of steel during the current year ; and

(b) if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : (a) and (b). No, Sir. The Government is following a regulatory policy in respect of exports so that a proper balance is achieved between the need to satisfy indigenous demand and that to promote export to the maximum extent possible.

Formation of Billet Re-Rollers Committee

1810. SHRI P. GANGADEB : Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether Government have decided to form a Billet Re-rollers Committee ; and

(b) if so, its functions ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : (a) Yes, Sir.

(b) A copy each of the relevant Notifications is placed on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT—373/71].

मध्य प्रदेश में ग्वालियर में ढोरों की मुख तथा खुर की बीमारियों के लिए टीकों का उत्पादन करने हेतु संस्थान की स्थापना

1811. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में ढोरों को सामान्यतः मुख तथा खुर की बीमारियां हो जाती हैं जिनके परिणामस्वरूप वहां प्रतिवर्ष बहुत बड़ी संख्या मे ढोर मर जाते हैं।

(ख) क्या इन बीमारियों के लिए टीकों का उत्पादन इस समय बहुत ही सीमित मात्रा मे इन्डियन वैटरीनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, इज्जतनगर में किया जा रहा है ;

(ग) क्या इन टीको का उत्पादन करने के लिए मध्य प्रदेश के ग्वालियर प्रभाग के किसी भी जिले मे एक संस्थान स्थापित करने का सरकार का प्रस्ताव है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री(श्री शेर सिंह) : (क) पशु-चिकित्सा सेवा निदेशालय, मध्य प्रदेश द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1970 के दौरान उनके राज्य मे खुर तथा मुह पके रोग से 13059 गाये तथा भैंसे पीडित थी, जिनमे से 13 की मृत्यु की सूचना मिली थी।

(ख) जी हां, फिर भी, भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसधान सस्थान की खुर तथा मुह पके रोग विरोधी टीके के निर्माण करने की उत्पादन क्षमता को हाल ही मे बढ़ाया गया है।

(ग) राज्य सरकार के सम्मुख इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नही है।

(घ) खुर तथा मुह पके रोगो के लिए प्रयोग होने वाले टीके के उत्पादन के लिए अत्यन्त ही आधुनिकतम तकनीकों, उपकरणो, रसायनों तथा कांच के सामान की आवश्यकता होती है जोकि देश मे उपलब्ध नही होते हैं। हाल ही मे यह निर्णय किया गया है कि इसके उत्पादन को अधिक बढ़ाने के लिए बंगलौर में एक उत्पादन केन्द्र स्थापित करने के लिए डेनिश सहायता का लाभ उठाया जाए। अन्य केन्द्रों की स्थापना के प्रश्न पर इस केन्द्र के संचालन के अनुभव प्राप्त करने के बाद ही विचार किया जा सकता है।